मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MJY–008

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.जे.वाई.-008 : फल-विचार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों मे दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

3×20=60

1. जन्मकुण्डली के द्वादश भावों का परिचय दीजिए तथा उनसे विचारणीय विषयों का उल्लेख कीजिए।

2. धनभाकात विषयों के विभिन्न विचारों का उल्लेख कीजिए।

3. मित्रभाव का विचार किस प्रकार करते हैं ? विस्तार से उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

4. मातृसुख एवं भूमि आदि सम्बन्धी विषयों का विचार किस आधार पर किया जाता है ? विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. शनिग्रह के बारहों भावों से सम्बन्धित विभिन्न फलों का वर्णन कीजिए।

6. तनुभावमत विविध विषयों के विचार सम्बन्धी तथ्यों एवं फलों का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

$4 \times 10 = 40$

1. जन्मांग के बारहों भावों में चन्द्रमा से उत्पन्न फल का वर्णन कीजिए।

2. राशिफल के सन्दर्भ में द्वादशभावा में मष राशि के फलाफल का वर्णन कीजिए।

3. शत्रुविचार सम्बन्धी सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

4. आयुविचार सम्बन्धी मतों का उल्लेख कीजिए।

5. आजीविका प्राप्ति सम्बन्धी विचारों का उल्लेख कीजिए तथा सिद्ध कीजिए कि जन्मांग से आजीविका का सम्बन्ध किस प्रकार है।

6. जन्मांग से पुरुषार्थ-चतुष्ट्य का क्या सम्बन्ध है ? सिद्ध कीजिए।

7. कुण्डली में कर्मफल का विचार कैसे करते हैं ? उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

8. रोगविचार सम्बन्धी भाव का परिचय देकर विभिन्न मतों का उल्लेख कीजिए।

अथवा

कुण्डली के किस भाव से रोग विचार का निर्देश है ? इससे सम्बन्धित विभिन्न मतों का उल्लेख कीजिए।